यूटीयू में क्रांति पथ की प्रस्तुति ने किया भाव विभोर

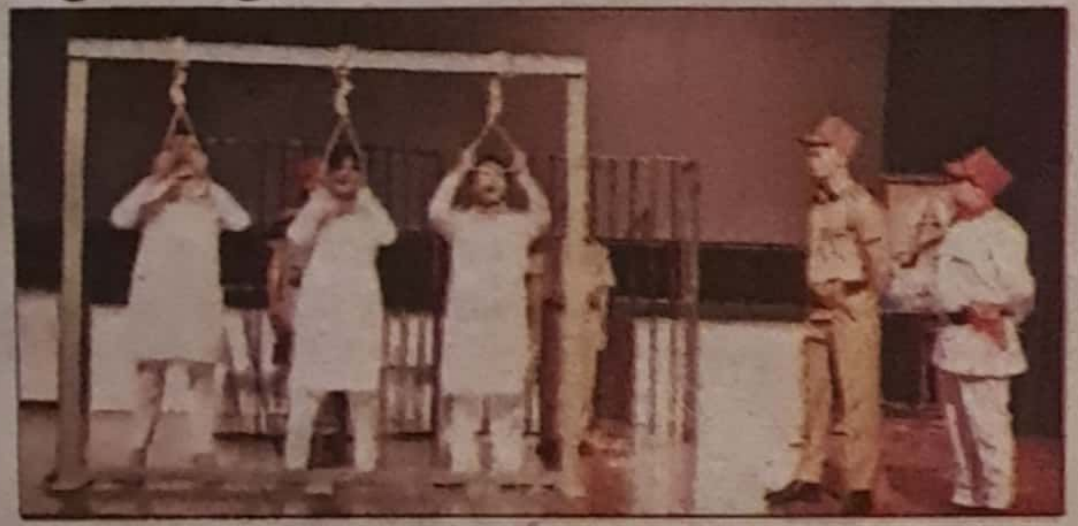

शहीद भगत सिंह की जीवन पर नाटक की प्रस्तुति देते कलाकार।

■ जयंती पर शहीद भगत सिंह को किए श्रद्धासुमन अर्पित

देहरादून (एसएनबी)। शहीद ए आजम भगत सिंह जयंती पर विभिन्न संगठनों ने कार्यक्रम कर उन्हें नमन किया। वक्ताओं ने शहीद भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं को भगत सिंह के विचारों को आत्मसात करना चाहिए।

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के सभागार मे दून घाटी रंग मंच के कलाकारों द्वारा क्रान्ति पथ नाटक की प्रस्तुति दी। जिसमें विभिन्न किरदारों ने शहीद भगत सिंह के जीवन संघर्ष को मंचन किया गया। जिसमें जलियांबाग से लेकर फांसी की सजा आदि की प्रस्तुति दी गई। इससे पूर्व कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कहा कि आजादी की लड़ाई में शहीद भगत सिंह के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर क्रान्ति की अलख जगाई।

इस मौके पर कुलसचिव डा. सत्येन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक विक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल समेत डब्ल्यूआईटी व विवि छात्र-छात्राएं एवं प्राध्यापक मौजूद थे।

युवाओं के आदर्श हैं शहीद भगत सिंह

देहरादून। वहीं मातृभूमि परिवार ने प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भगत सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सरकार में दायित्वदारी मधु भट्ट ने कहा कि भगत सिंह देश की युवाओं के लिए आदर्श हैं। विशिष्ट अतिथि एसोसिएशन आफ सेल्फ फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष डा. सुनील अग्रवाल ने कहा कि शहीद भगत सिंह के योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर मातृभूमि परिवार के अध्यक्ष हितेश कुमार सिंह, कंचन गुनसोला, योगेश्वरानंद, वर्षा माटा, किरण सिंह, मीणा नेगी, देव कला, राजा रस्तोगी, दीपक त्यागी समेत अनेक लोग मौजूद थे।

वहीं शहीद भगत सिंह की जयंती पर उत्तराखंड इंसानित मंच द्वारा 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर निगम के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह का भानजे और पंजाब कृषि विवि में कम्प्यूटर साइंस विभाग के पूर्व हेड प्रो. जगमोहन सिंह ने शहीद भगत सिंह के पारिवारिक और क्रान्तिकारी जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य आंदोलनकारी कमला पंत ने की। कार्यक्रम में मैड संस्था की वंदना, महिला मंच की चन्द्रकला, डा. रवि चोपड़ा, परमजीत सिंह कक्कड़, त्रिलोचन भट्ट आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन एसएफआई के हिमांशु चौहान ने किया।

42 विभूतियों को मिला राष्ट्र सेवा सम्मान

देहरादून। इंस्टीट्यूट फार सोशल रिफार्म्स एंड हायर एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं द इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स द्वारा शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती पर राष्ट्रीय सेवा